PRGI No. UPHIN/25/A1697

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

PUBLISHED HINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 039
दि. 08.06.2026,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

विकसित भारत 2047 के लिए जन भागीदारी, उद्यमशीलता और नवाचार महत्वपूर्ण : श्री ओम बिरला

लोक सभा अध्यक्ष ने युवाओं और उद्यमियों से विकसित भारत 2047 की ओर भारत की यात्रा का नेतृत्व करने का आह्वान किया

माहेश्वरी समाज की सेवा भावना, नैतिक मूल्यों और उद्यम की विरासत राष्ट्र निर्माण को मजबूत कर रही है: लोक सभा अध्यक्ष

उद्यमशीलता और राष्ट्र निर्माण दोनों साथ-साथ आगे बढ़ने चाहिए: लोक सभा अध्यक्ष

लोक सभा अध्यक्ष ने नई दिल्ली में "माहेश्वरी समाज और विकसित भारत 2047 का निर्माण" कार्यक्रम को संबोधित किया

(जीएनएस)।

लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज इस बात पर बल दिया कि विकसित भारत 2047 के विजन को जन भागीदारी, नवाचार, उद्यमशीलता और सामूहिक संकल्प से ही साकार किया जा सकता है। नई दिल्ली में माहेश्वरी समाज के राष्ट्रीय सम्मेलन की थीम "माहेश्वरी समाज और विकसित भारत 2047' पर बोलते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उद्यमशीलता और राष्ट्र निर्माण दोनों साथ-साथ आगे बढ़ने चाहिए ताकि विकास का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे। उन्होंने इस बात का उल्लेख भी किया कि एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में भारत को समावेशी विकास, सामाजिक जिम्मेदारी और सक्रिय जन भागीदारी के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

माहेश्वरी समाज को भारत के आर्थिक और सामाजिक विकास में एक जीवंत शक्ति बताते हुए, श्री बिरला ने कहा कि इस समाज ने सेवाभाव, नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं, परोपकार और सामाजिक जिम्मेदारी के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में अमूल्य योगदान दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि माहेश्वरी समाज ने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, जन सेवा और धर्मार्थ पहलों के माध्यम से समाज के कल्याण के लिए लगातार काम किया है। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि इस समाज ने पीढ़ी-दर-पीठी देश के विभिन्न क्षेत्रों में जन कल्याण के लिए समर्पित संस्थानों की स्थापना की है ।

लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि ऐतिहासिक रूप से माहेश्वरी समाज ने स्वयं को परिस्थितियों के अनुसार ढालने की उल्लेखनीय क्षमता और उद्यमशीलता का परिचय देते हुए पूरे देश के विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। चाहे महानगरों के केंद्र हों, उत्तर-पूर्व हो या दक्षिण भारत, इस समाज के लोगों ने अपनी उद्यमशीलता से

अवसर पैदा किए हैं, रोजगार उत्पन्न किया है और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि ईमानदारी, नैतिक आचरण और सामाजिक सद्भाव के प्रति इस समाज की प्रतिबद्धता ने व्यवसाय के क्षेत्र में में अनुकरणीय मानक स्थापित किए हैं।

श्री बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि सफलता का वास्तविक मापदंड केवल धन सृजन नहीं होना चाहिए, बल्कि वैल्यू क्रिएशन और सकारात्मक सामाजिक बदलाव होना चाहिए। श्री आनंद राठी की उद्यमशीलता की सराहना करते हुए उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि उनकी अनुकरणीय यात्रा युवा उद्यमियों की पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी के योगदान की भी सराहना की और कहा कि उनके प्रयासों ने न्यायिक प्रणाली को मजबूत करने और न्यायिक सुधारों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी प्रतिष्ठित हस्तियां इस समाज की उत्कृष्टता, नेतृत्व और जनसेवा की परंपरा को दशार्ती हैं।

भविष्य को आकार देने में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, श्री बिरला ने कहा कि शिक्षित, कुशल और प्रौद्योगिकी के ज्ञान से सम्पन्न युवा विकसित भारत 2047 की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने युवा पीढ़ी से आने वाले दशकों में भारत को एक वैश्विक लीडर के रूप में स्थापित करने के लिए नवाचार, उद्यमिता, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आने वाला युग ज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार द्वारा संचालित होगा, और युवाओं से जॉब सीकर्स बनने के बजाय जॉब क्रिएटर्स बनने का आह्वान किया।

अध्यक्ष महोदय ने आगे कहा कि पिछले दशक में भारत की प्रगति ने राष्ट्र की दृढ़ता, आत्मविश्वास और सामूहिक संकल्प को प्रदर्शित किया है। उन्होंने अधिकारों और कर्तव्यों के संतुलन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्र निर्माण के लिए जिम्मेदार नागरिक बनना, संस्थानों का सम्मान करना, ईमानदारी और सार्वजनिक जीवन में सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि संसद और लोकतांत्रिक संस्थाओं के माध्यम से किए गए सुधारों से पारदर्शिता को बढ़ावा मिला है और देश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार हुआ है।

अपने संबोधन के अंत में, श्री बिरला ने विश्वास व्यक्त किया कि एकता, सेवा, उद्यमिता की भावना और 'नेशन फर्स्ट' (राष्ट्र प्रथम) का सिद्धांत भारत को विकसित भारत 2047 के विजन को प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा। उन्होंने माहेश्वरी समाज, विशेष रूप से इसके युवाओं से नवाचार, नैतिक नेतृत्व और सामाजिक प्रतिबद्धता के माध्यम से राष्ट्रीय विकास में योगदान देना जारी रखने का आह्वान किया। श्री बिरला ने यह भी कहा कि एक विकसित भारत का निर्माण तभी किया जा सकता है जब प्रत्येक नागरिक देश की प्रगति में भागीदार बने और जब आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारी और सबके कल्याण की भावना का समावेश भी हो।

भारत के सभी बॉर्डर्स होंगे एक बटन से कंट्रोल! : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

(जीएनएस)।

भारत सरकार बॉर्डर मैनेजमेंट को डिजिटल और स्मार्ट बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री Amit Shah 9 जून को नई दिल्ली में Land Port Management System (LPMS) लॉन्च करेंगे। यह एक ऐसा डिजिटल प्लेटफॉर्म है जो देश के सभी लैंड पोटर्स को एक ही सिस्टम से जोड़ेगा।

इसके जरिए कार्गो और यात्रियों की आवाजाही, स्लॉट बुकिंग, पेमेंट, ट्रैकिंग और क्लियरेंस जैसी प्रक्रियाएं ऑनलाइन हो जाएंगी। सरकार का मानना है कि इससे सीमा पार व्यापार तेज होगा, पारदर्शिता बढ़ेगी और बॉर्डर पर लगने वाला समय काफी कम होगा।

लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम (LPMS) एक आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसे भारत के सभी लैंड पोट्र्स को एक यूनिफाइड सिस्टम से जोड़ने के लिए तैयार किया गया है। अभी तक कई प्रक्रियाएं अलग-अलग विभागों के माध्यम से संचालित होती थीं, जिससे समय और संसाधनों की अधिक खपत होती थी। छढटर इन सभी सेवाओं को एक ही प्लेटफॉर्म पर लाएगा। इससे व्यापारियों, ट्रांसपोर्ट कंपनियों और यात्रियों को एक जगह पर सभी जरूरी सुविधाएं मिलेंगी और काम पहले की तुलना में ज्यादा आसान और तेज होगा।

कार्गो और यात्रियों को क्या फायदा मिलेगा?

नए सिस्टम के जरिए कार्गो मूवमेंट और यात्री सेवाओं की पूरी प्रक्रिया डिजिटल हो जाएगी। ट्रकों के लिए स्लॉट बुकिंग ऑनलाइन होगी, पेमेंट डिजिटल माध्यम से किया जा सकेगा और सामान की रियल-टाइम ट्रैकिंग भी संभव होगी। यात्रियों को भी कई काउंटरों पर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। एक ही प्लेटफॉर्म से जरूरी मंजूरी और दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी हो सकेगी। इससे बॉर्डर

पर लगने वाला इंतजार कम होगा और यात्रा अधिक सुविधाजनक बनेगी।

कैसे बढ़ेगी व्यापार और कनेक्टिविटी?

भारत की सीमाओं से हर साल बड़ी मात्रा में व्यापार होता है। छढटर के लागू होने के बाद मालवाहक वाहनों की आवाजाही अधिक व्यवस्थित होगी। डिजिटल प्रोसेस के कारण दस्तावेजों की जांच में लगने वाला समय घटेगा और माल की डिलीवरी तेजी से होगी। इससे पड़ोसी देशों के साथ व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। बेहतर कनेक्टिविटी और तेज लॉजिस्टिक्स से कारोबारियों की लागत कम होगी तथा सीमा क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी।

सुरक्षा और पारदर्शिता को कैसे मिलेगा बल?

छढटर केवल सुविधा बढ़ाने वाला सिस्टम नहीं है, बल्कि यह सुरक्षा को भी मजबूत करेगा। विभिन्न सरकारी एजेंसियों के बीच डेटा का रियल-टाइम आदान-प्रदान होगा, जिससे संदिग्ध गतिविधियों पर तेजी से नजर रखी जा सकेगी। डिजिटल रिकॉर्ड होने से मानवीय त्रुटियों और अनावश्यक देरी की संभावना भी कम होगी। पारदर्शी प्रक्रिया के कारण सभी गतिविधियों की निगरानी आसान होगी और सीमा प्रबंधन अधिक प्रभावी बन सकेगा।

विकसित भारत 2047 के विजन से कैसे जुड़ा है?

सरकार छढटर को केवल एक तकनीकी परियोजना नहीं, बल्कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य का महत्वपूर्ण हिस्सा मानती है। इसका उद्देश्य सीमा प्रबंधन को विश्वस्तरीय बनाना, व्यापार को आसान करना और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना है। लॉन्च के साथ ही मेघालय के डावकी और त्रिपुरा के श्रीमंतपुर लैंड पोर्ट पर नई आवास सुविधाओं का भी उद्घाटन किया जाएगा। इससे सीमा क्षेत्रों में काम करने वाले अधिकारियों और अन्य हितधारकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और बॉर्डर इंफ्रास्ट्रक्चर और मजबूत होगा।राष्ट्रपति ने 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह में भाग लिया

प्रविष्टि तिथिः 25 खअठ 2025

यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा से पहले सीएम योगी का बड़ा फैसला, परीक्षार्थियों को मिल जाएगी राहत

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश पुलिस में 32,679 पदों पर भर्ती के लिए लिखित परीक्षा सोमवार से शुरू हो रही है। इससे पहले प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को लेकर बड़ी घोषणा की है। सीएम योगी ने यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों के बस से सफर करने पर बड़ी राहत का ऐलान कर दिया है। भर्ती परीक्षा के लिए यात्रा करने वाले उम्मीदवारों को बस किराए में 50 फीसदी की छूट दिए जाने की घोषणा की गई है। सरकार की ओर से इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। परिवहन विभाग की ओर से सीएम योगी आदित्यनाथ के आदेश को लागू कराया जाएगा। इससे परीक्षार्थियों को बड़ी राहत मिल जाएगी।

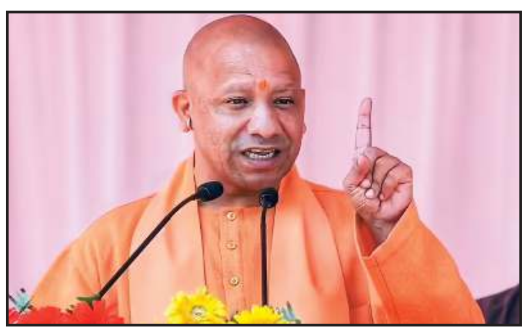

यूपी सरकार की ओर से पुलिस भर्ती परीक्षा को देखते हुए बड़े स्तर पर तैयारियां की गई हैं। अतिरिक्त बसों का संचालन भी किया जा रहा है। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उम्मीदवारों को अपना एडमिट कार्ड दिखाने पर बस किराए में 50 फीसदी की छूट देने का फैसला किया है। यूपी रोडवेज की बसों में इस प्रकार की सुविधा के लिए निर्देश भी जारी किए गए हैं। परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए भी सरकार की ओर से विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं।

तीन दिन होनी है परीक्षा

यूपी पुलिस भर्ती की लिखित परीक्षा तीन दिन 8 से 10 जून तक होनी है। परीक्षा दो पालियों में होगी। इसके लिए राज्य भर में 1183 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा में 28.86 लाख महिला और पुरुष परीक्षार्थी भाग लेंगे। इसको लेकर परीक्षा केंद्रों पर तीन स्तरीय जांच होगी। किसी प्रकार की नकल जैसी स्थिति से बचने के लिए बड़े स्तर पर इंतजाम किए गए हैं।

परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की गेट पर बायोमेट्रिक जांच और ई-केवाईसी होगी। इसके बाद उन्हें परीक्षा केंद्र के भीतर प्रवेश मिलेगा। सीएम योगी ने पहले ही भर्ती परीक्षाओं में किसी प्रकार की गड़बड़ी न होने देने के सख्त निर्देश दिए हैं।

'हम एक ही नदी की संतान हैं', नेपाल के विदेश मंत्री ने भारत के लिए ऐसा क्यों कहा?

नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने कहा है कि नेपाल भारत के साथ सीमा विवाद का समाधान बातचीत और डिप्लोमेसी के जरिए करना चाहता है। नई दिल्ली दौरे के दौरान उन्होंने कहा कि अगर दोनों देश खुले मन से बातचीत करें तो कोई भी समस्या ऐसी नहीं है जिसका हल न निकले। शिशिर खनाल ने जोर देकर कहा कि नेपाल भारत को

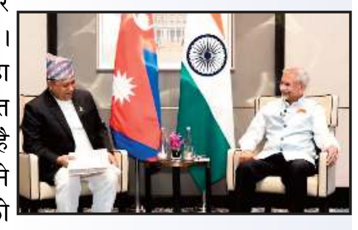

सिर्फ एक पड़ोसी देश नहीं, बल्कि विकास और साझेदारी के महत्वपूर्ण सहयोगी के रूप में देखता है। उनका बयान ऐसे समय आया है जब सीमा मुद्दों को लेकर दोनों देशों के बीच चर्चा तेज है और रिश्तों पर विशेष खनाल ने साफ कहा कि नेपाल किसी भी सीमा विवाद को टकराव के बजाय बातचीत से सुलझाना चाहता है। उनके मुताबिक भारत और नेपाल के रिश्ते इतने मजबूत हैं कि किसी भी मुद्दे पर संवाद के जरिए रास्ता निकाला जा सकता है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को भावनाओं के बजाय प्रैक्टिकल तरीके से आगे बढ़ना चाहिए। नेपाल की मौजूदा सरकार मानती है कि अच्छे पड़ोसी संबंध दोनों देशों के हित में हैं और विवादों को बातचीत की टेबल पर ही सुलझाया जाना चाहिए। विदेश मंत्री ने भारत-नेपाल रिश्तों को खास बताते हुए कहा कि दोनों देश सिर्फ भौगोलिक पड़ोसी नहीं हैं। उन्होंने कहा, "हम एक ही नदी की संतान हैं", यानी दोनों देशों के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक संबंध हैं।

दार्जलिंग में तीस्ता नदी में समाई कार, एक ही परिवार के 4 लोगों की गई जान

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग शहर से बड़ी ही दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। तीस्ता नदी में कार गिर

गई जिसमें एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई है। यह हादसा सेवोके और कर्सियांग के पास शुक्रवार की शाम को हुआ। जिसमें पूरी कार नदी में समा गई थी। NDRF सिलीगुड़ी की टीम ने बचाव कार्य शुरू किया और कार को काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला।

NDRF के डिप्टी कमांडेंट संजय रंजन ने जानकारी दी। प्रशासन ने मौके पर तुरंत राहत टीम भेजी थी।

आयुष विभाग के विवादित तबादलों पर सीएम योगी का संज्ञान, रद हो सकते हैं अनियमित ट्रांसफर

राज्य मंत्री दयाशंकर का कहना है कि अधिकारियों के बीच संवाद की कमी से शिथिलता संभव है।

(जीएनएस)।

लखनऊ। आयुष (आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी) विभाग के तबादलों का विवाद तूल पकड़ रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तबादलों में अनियमितता का संज्ञान लिया है। शनिवार को तबादलों से जुड़ी जानकारी जुटायी गयी।

पूछताछ में सामने आया है कि समूह ख के 15 कार्मिकों का तबादला कई बार संशोधित किया गया है। ऐसे सभी दागदार छवि वाले कार्मिकों के तबादले रद हो सकते हैं।

अनुमोदन के बगैर किये गये तबादलों को रद करने के लिए मुख्य सचिव को महानिदेशक (डीजी)

चैत्रा.वी द्वारा पत्र लिखने के बाद आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर मिश्र दयालु रविवार को पूर्वांचल का दौरा छोड़कर लखनऊ पहुंचे।

आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी के निदेशकों को सरकारी आवास पर बुलाकर तबादला प्रकरण पर चर्चा की। बैठक में डीजी नहीं पहुंची। अब राज्यमंत्री ने सोमवार को अधिकारियों की बैठक बुलायी गयी है।

राज्य मंत्री दयाशंकर का कहना है कि अधिकारियों के बीच संवाद की कमी से शिथिलता संभव है। तबादलों में डीजी की अनदेखी के सवाल पर मंत्री ने कहा कि पत्रावलियों का अवलोकन करने पर ही स्थिति साफ होगी।

युद्ध के चलते लड़खड़ा गई भारत की गाड़ी...प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रणनीतिक नेतृत्व ने थाम ली स्टीयरिंग!

मिडिल ईस्ट युद्ध और होर्मुज स्ट्रेट संकट के चलते खाड़ी देशों से भारत समेत एशियाई देशों को पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की सप्लाई लड़खड़ा गई। हालांकि, पीएम मोदी बार-बार देशवासियों को तेल-गैस का भरोसा दे रहे हैं, जो भारत की मजबूत ताकत को दशार्ता है।

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण तेल की बढ़ती कीमतों को देखते हुए पिछले महीने कीमतों में लगातार बढ़ोतरी के चलते भारत में पेट्रोल और डीजल की मांग में इस साल कम वृद्धि होने की आशंका है। ट्रक परिवहन क्षेत्र में तनाव के शुरूआती संकेत पहले से ही दिखाई दे रहे हैं। वहीं, सरकारी खुदरा विक्रेताओं इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने चुनावों के कारण पहले कीमतों में बढ़ोतरी न करने के बाद मई के मध्य से अब तक चार चरणों में बढ़ोतरी की है। पेट्रोल की कीमतें अब 7.8% और डीजल की कीमतें 8.6% बढ़ गई हैं। इस बीच केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार ने

कहा है कि युद्ध ने भले ही संकट में डाला हो, मगर भारत की ताकत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रणनीतिक नेतृत्व ने इस संकट से उबार लिया है।

केंद्रीय मंत्री बोले-पीएम मोदी के रणनीतिक नेतृत्व से गैस की किल्लत नहीं

सोशल मीडिया एक्स पर न्यूज एजेंसी आईएएनएस के हवाले से घरेलू एलपीजी की कीमतों में 29 रुपये की बढ़ोतरी पर छत्तीसगढ़ में केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, 'भू-राजनीतिक अस्थिरता और प्रमुख वैश्विक शक्तियों के बीच चल रहे संघर्षों के कारण दुनिया भर के कई देशों को डीजल, पेट्रोल और एलपीजी की आपूर्ति से संबंधित कमी और कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह सुनिश्चित किया है कि एलपीजी गैस की कोई कमी न हो। यह हमारे देश की ताकत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रणनीतिक नेतृत्व को दशार्ता है। उनकी प्रभावी योजना और नीति निर्माण ने देश को एक बड़े संकट से बचाने में मदद की है...'

कीमतों में और हो सकती है बढ़ोतरी

न्यूज एजेंसी रायटर्स पर छपी एक खबर में विश्लेषकों का कहना है कि कीमतों में और वृद्धि हो सकती है, जिससे मांग और कम होने की संभावना है, क्योंकि खुदरा विक्रेता अभी भी ईंधन को बाजार दर से कम दामों पर बेच रहे हैं और उन्हें प्रतिदिन कुल मिलाकर 5.5 अरब रुपये (57 मिलियन डॉलर) का नुकसान हो रहा है।

सम्पादकीय

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की आर्थिक वृद्धि पर चिंतन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसीपीएम) के सदस्यों के साथ बैठक कर वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की आर्थिक वृद्धि को तेज करने के उपायों पर चर्चा की। इस बैठक के दौरान चर्चा का मुख्य विषय जीवन की सुगमता और कारोबारी सुगमता को और अधिक बेहतर बनाने से जुड़े विभिन्न सुधारों पर भी विचार विमर्श किया गया।

दरअसल एकतरफ जहां वैश्विक स्थिरता के दौर में भी मार्च तिमाही में 7.8 व 2025-26 में 7.7 प्रतिशत की दर से अर्थव्यवस्था बढ़ी वहीं मुद्रास्फीति की जो दर 4 प्रतिशत से कम थी उसमें भी बढ़ोत्तरी हुई है। उपभोक्ता वस्तुओं में महंगाई की मार तो बढ़ी है जिसका एकमात्र कारण पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और खाना पकाने की गैस की कीमतों में वैश्विक बवाल के कारण वृद्धि है।

सच तो यह है कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध लम्बा चलने की वजह से ही यूरोप और एशिया की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ा था किन्तु अमेरिका और ईरान युद्ध ने तो सीधे ही अन्य देशों के साथसाथ भारतीय अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित किया। भारतीय अर्थशास्त्री पहले तो मानते थे कि भारत 40 देशों से कच्चा तेल लेता है इसलिए उसके ऊपर ईरान युद्ध से पड़ने वाला नहीं है। कदाचित भारतीय अर्थशास्त्रियों का यह आकलन सच भी साबित हो जाता किन्तु ईरान ने खाड़ी के अमेरिकी मित्र देशों पर हमले करके तथा होर्मूज स्ट्रेट से तेल लेकर जा रहे जहाजों को रोकने की वजह से सभी सम्बन्धित देशों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। वास्तविकता तो यह है कि ईरान में राजनेताओं के मारे जाने के बाद इस्लामिक रिपब्लिक आमी ने दिशाहीन कार्रवाई करनी शुरू कर दी। ईरान के राजनेता सेना के इस तरह के व्यवहार का विरोध कर ही नहीं सके। ईरानी सेना ने स्वयं लक्ष्य निर्धारित किया और खुद ही पैसले लिए। यही कारण है कि जिस ईरान से भारत खुद ही तेल नहीं खरीदता था, वह ईरान भारतीय झंडा लगे जहाजों को रास्ता देने का निर्णय ले रहा था।

हैरानी की बात तो यह है कि भारत में उत्पादकता बढ़ने से वृद्धि दर बढ़ती जा रही है किन्तु वह ढांचा इस देश के पास नहीं है जो आर्थिक वृद्धि दर के बढ़ने पर उसका त्वरित लाभ आम उपभोक्ताओं एवं कारोबारियों को दे सके। आज की बैठक में सरकार की तरफ से भारतीय अर्थव्यवस्था की मौलिक मुश्किलों को हल करने की कोशिश की गई है। एक अच्छी अर्थव्यवस्था का लक्षण है कि मुद्रास्फीति की दर जब तक आर्थिक वृद्धि दर से आधी नहीं रहेगी तब तक वित्तीय आर्थिक स्थिरता का दावा नहीं किया जा सकता। यही कारण है जब किसी देश में आर्थिक वृद्धि दर भी बढ़े और मुद्रास्फीति भी बढ़े तो ऐसी अर्थव्यवस्था के सामने कई असामान्य चुनौतियां आहट देती हैं। शनिवार को प्रधानमंत्री के साथ संपन्न हुई आर्थिक सलाहकार के सदस्यों की बैठक निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है और उम्मीद की जानी चाहिए कि भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार जैसे-जैसे बढ़ेगा आम उपभोक्ता और व्यवसायी दोनों को इसका लाभ मिलेगा। इसीलिए आर्थिक सलाहकार परिषद का चिन्तन देश के सभी वगरे के जीवन को प्रभावित करने में सक्षम होगा।

लखनऊ के चिकनकारी कपड़े की पहुंच देश समेत दुबई, यूरोप और अमेरिका समेत कई देशों तक

दिल्ली हाट में लखनऊ की असली चिकनकारी का स्टॉल लगा हुआ है. यहां लखनऊ के कारोबारी मोहम्मद अरमान ने 200 रुपये से 5 लाख तक की कुर्ती, सलवार सूट और साड़ियां रखीं हैं. बता दें कि लखनऊ का चिकनकारी कपड़ा देश समेत दुबई, यूरोप और अमेरिका समेत कई देशों तक जाता है.

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः अगर आप भी शादी-ब्याह के मौसम में कुछ ऐसा पहनना चाहते हैं. जो भीड़ से अलग दिखे और आपके लुक में नवाबी नफासत का तड़का लगा दे तो यह खबर आपके लिए है. लखनऊ की मशहूर चिकनकारी अपनी बारीक कढ़ाई, खूबसूरत डिजाइनों और शाही अंदाज के लिए दुनियाभर में जानी जाती है. अब इसी चिकनकारी की नजाकत दिल्ली तक पहुंच चुकी है, जहां एक ही छत के नीचे 400 रुपए से लेकर 5 लाख रुपए तक की साड़ियां, सलवार-सूट बिकने शुरू हो चुके हैं.

इसके हर धागे में कारीगरों की मेहनत और लखनऊ की तहजीब की झलक देखने को मिलती है. ऐसे में वेडिंग सीजन में अपनी वॉर्डरोब को

खास बनाने का यह सुनहरा मौका हो सकता है. आपको बता दें कि जून के महीने में शादियों के कई शुभ मुहूर्त हैं. ऐसे में अगर आपकी खुद की शादी है या किसी परिवार या दोस्त की शादी है तो आप चिकनकारी सलवार सूट, साड़ी या लहंगा खरीद कर दूसरों से अलग और बेहद खूबसूरत नजर आ सकती हैं.

दिल्ली के आईएनए दिल्ली हाट में लखनऊ की चिकनकारी लेकर के पहुंचे हैं. लखनऊ के ही कारोबारी मोहम्मद अरमान जिनकी मैन्युफैक्चरिंग और पूरा कारखाना लखनऊ में ही है. पहली बार वह दिल्ली के आईएनए में अपना स्टॉल लेकर के आए हैं, जो अब हमेशा आईएनए दिल्ली हाट में लगेगा. 106 नंबर इनकी दुकान का नंबर है. लोकल 18 से खास बातचीत में मोहम्मद अरमान ने बताया कि लखनऊ की चिकनकारी पूरी दुनिया भर में मशहूर है, क्योंकि सिर्फ लखनऊ का चिकनकारी कपड़ा ही देश समेत दुबई, यूरोप और अमेरिका समेत कई देशों में जाता है.

दिल्ली में चिकनकारी के यूं तो कई शोरूम और दुकानें हैं, लेकिन जो लखनऊ की असली चिकनकारी है. वो बहुत कम देखने को मिलती है, इसीलिए दिल्ली के आईएनए दिल्ली हाट में लखनऊ की चिकनकारी को वह लेकर के आए हैं, जिसमें सलवार सूट, साड़ी और लहंगे मौजूद हैं. उन्होंने बताया कि वह अभी सिर्फ महिलाओं का कलेक्शन लेकर आए हैं. आने वाले समय में पुरुषों के लिए भी कलेक्शन लेकर के आएंगे.

जानें इसकी क्या है कीमत

मोहम्मद अरमान ने बताया कि चिकनकारी कपड़े इसलिए महंगे होते हैं. क्योंकि इन्हें हाथों से बनाया जाता है. इसका एक-एक टांका हाथों से बनाया जाता है. एक साड़ी को बनने में 4 से 6 महीने का वक्त लगता है. जबकि कुर्तियां 2 से 3 दिन में तैयार होती हैं. सलवार सूट लगभग 1 से 2 महीने में तैयार होता है. इसीलिए चिकनकारी का कपड़ा गर्मियों में बहुत आरामदायक होता है और बेहद हल्का कपड़ा होता है. गर्मियों में चिकनकारी कपड़े की डिमांड देश के साथ-साथ विदेशों तक बढ़ जाती है. इसीलिए इसकी कीमत भी उसी हिसाब से रखी जाती है.

अगर आप कुर्ती खरीदेंगे तो वह आपको 200 से लेकर 400 रुपए में मिल जाएगी. वहीं, अगर आप सलवार सूट खरीदेंगे तो सलवार सूट में हर रेंज का कपड़ा मौजूद है यानी 1000 रुपए से लेकर 200000 रुपए तक के सलवार सूट है. इसके अलावा साड़ियों की बात करें तो साड़ियां भी 80000 रुपए से लेकर 5 लाख रुपए तक मौजूद हैं. यानी जैसा आपका बजट रहेगा, वैसी खरीदारी आप कर सकते हैं.

रातें रंगीन, पर शामें बेसुकून! लेट नाइट पार्टी और नशे के नए कल्चर से खो रही लखनऊ की तहजीब

पिछले दिनों विभूतिखंड थाना क्षेत्र में पार्टी के बाद मामूली विवाद में 28 वर्षीय शिवम सिंह की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी

(जीएनएस)।

लखनऊः खास तहजीब, परंपरा और ऐतिहासिक धरोहरों के लिए लखनऊ पूरी दुनिया में अपनी एक अलग पहचान रखता है. लखनऊ की आत्मा कहे जाने वाले पुराने लखनऊ की गलियों में आज भी वह अदब, सलीका और सुकून भरी शामें जिंदा हैं. वक्त के साथ लखनऊ का दायरा बढ़ा है, लेकिन इस बढ़ते दायरे में पुराना सौंदर्य कहीं खो सा गया है.

गोमती नगर, विभूतिखंड, गोमती नगर एक्सटेंशन और सुशांत गोल्फ सिटी जैसे इलाकों में बड़ी-बड़ी बिल्डिंग, चौड़ी सड़कें, मॉल, बार सबकुछ है, जो दिखाता है कि शहर आधुनिकता की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ा है, लेकिन इस आधुनिकता में लेट नाइट कल्चर भी बढ़ा है, जिससे आए दिन अपराध की घटनाएं भी सामने आ रही हैं. चंद लोग भले ही इस चकाचौंध से खुश हों, जबकि हकीकत ये है कि लखनऊ की मूल सभ्यता यहां नदारद हो रही है और तेजी से अपराध बढ़ रहा है. पेश है मनीष चौहान के संपादन के साथ लखनऊ से संवाददाता प्रशांत मिश्रा की रिपोर्ट

दरअसल, राजधानी लखनऊ पिछले एक दशक में आधुनिकता के

तौर पर काफी मजबूत हुआ है. नया बसा लखनऊ जो कि फैजाबाद रोड, रायबरेली रोड, सुल्तानपुर रोड और शहीदपथ के आसपास है, वहां पर बड़े पैमाने पर कॉरपोरेट सेक्टर के ऑफिस, मॉल और नई कॉलोनियां विकसित हुई हैं. लखनऊ पिछले कुछ वर्षों में एजुकेशन हब के तौर पर भी उभर कर सामने आया है, यहां पर सरकारी विश्वविद्यालयों के साथ प्राइवेट विश्वविद्यालयों ने भी अपना प्रभाव जमाया है. लिहाजा बड़ी संख्या में अन्य जिले व प्रदेश से लोग नौकरी करने और पढ़ने के लिए यहां पहुंचते हैं. ये लोग नए लखनऊ की तरफ रुख करते हैं क्योंकि वहां मेट्रो सिटीज की तरह मनोरंजन के लिए बड़ी संख्या में पब, बार लॉज खुल गए हैं. साथ ही युवा देर रात तक पार्टियां करते हैं.

पार्टियों में हो रहीं आपराधिक घटनाएं

राजधानी के लॉज, बार व पब में देर रात तक पॉर्टियां तो ठीक हैं, लेकिन इन पार्टियों में नशे की वजह से आपराधिक घटनाएं भी होती हैं. पिछले दिनों विभूतिखंड थाना क्षेत्र में ऐसे ही पार्टी के बाद एक मामूली विवाद में 28 वर्षीय शिवम सिंह की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी. ऐसे ही सुशांत गोल सिटी थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक बड़े मॉल के बार में मामूली कहासुनी में एक युवक की पिटाई कर दी गई, जिसमें उसकी आंख में गंभीर चोटें आईं. इसी तरह विभूतिखंड थाना क्षेत्र स्थित एक बार में आए दिन महिलाओं के आपस में मारपीट करते हुए वीडियो सामने आते हैं. यह सब लखनऊ के लिए नया है. इसलिए यहां के रहने वाले इसको लेकर असजह हैं. लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाओं की वजह से नए क्षेत्र में बने बार व पब और रेस्टोरेंट में जाने से कतराते हैं.

लखनऊ में बदलते माहौल ने बढ़ाई चिंता - सुरक्षा के इंतजाम पर क्या बोले डीसीपी

बार और पब में लेट नाइट पार्टियां, वहां युवाओं से मारपीट जैसे मामलों पर डीसीपी साउथ अमित कुमार आनंद का कहना है कि इन क्षेत्रों में घटनाएं न हों, इसके लिए बड़े पैमाने पर यहां पेट्रोलिंग की जाती है. जगह-जगह पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाते हैं. किसी भी शिकायत पर हम त्वरित कार्रवाई करते हैं. उन्होंने यह भी कहा कि हम ऐसी व्यवस्था बनाना चाहते हैं, जिससे रात में भी लोग घूम फिर सकें. ऐसे में जो युवक यहां घूमने-टहलने के लिए पहुंचते हैं, उन्हें मना तो नहीं किया जा सकता है, लेकिन इस बात का ध्यान रखते हैं कि किसी तरह की कोई अपराधी घटना ना हो. यहां पर चलने वाले बार, पब व लॉच को संबंधित विभाग से लाइसेंस मिला हुआ. ऐसे में उन्हें बंद नहीं कराया जा सकता. उनके साथ मीटिंग कर हम समय-समय पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए जिम्मेदारी तय करते हैं.

लखनऊ के इन इलाकों में बढ़ा है नाइट कल्चर - अपराध रोकने के लिए क्या है पुलिस का प्लान

विभूतिखंड, गोमतीनगर एक्सटेंशन क्षेत्र में बढ़ रहीं घटनाओं पर एडीसीपी डॉक्टर अमोल मुरकुटे ने कहा कि नाइट कल्चर की वजह से हुड़दंग होता है, जिसमें कई बार बड़ी आपराधिक घटनाएं हो जाती हैं. इसको ध्यान में रखते हुए हमने यह प्लान तैयार किया है कि आबकारी विभाग के साथ पत्राचार करके यह निर्धारित किया जाएगा कि इस क्षेत्र में स्थित बार और पब सिर्फ 12:00 बजे तक ही खुले रहने की अनुमति दी जाए. साथ ही चौराहों पर जो सिगरेट व खाने-पीने की दुकानें सिर्फ 12:00 बजे तक ही खुलें.

लखनऊ में बेलगाम 'नाइट कल्चर' की खतरनाक टाइमलाइन - क्या कहते हैं लखनऊ डीएम

लखनऊ डीएम विशाख जी अय्यर ने बताया कि अगर लॉ एंड ऑर्डर को ध्यान में रखते हुए पुलिस किसी स्पेसिफिक क्षेत्र में बार को सिर्फ 12:00 बजे तक खुले रहने की अनुमति के लिए संस्तुति करती है तो उस पर बिल्कुल विचार किया जाएगा. पहले भी पुलिस की संस्तुति के आधार पर कुछ क्षेत्रों में बार लाइसेंस नहीं दिए गए. यदि किसी क्षेत्र में देर रात तक बार खुलने से अपराधी घटनाओं की संभावनाएं हैं तो उनका समय निर्धारित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे.

यह हो सकती है चुनौती

लखनऊ जिला प्रशासन व पुलिस के लिए कुछ क्षेत्र की दुकानों को सीमित समय तक लाइसेंस देने के प्रयास को जमीन पर उतरना आसान नहीं होगा. आबकारी विभाग के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि दुकानों को लाइसेंस देने के समय का निर्धारण शासन स्तर से होता है. अगर समय में परिवर्तन करना है तो शासन को प्रस्ताव भेजना पड़ेगा. शासन के निर्णय के बाद ही यह संभव होगा कि दुकानों का समय निर्धारित किया जाए. यह संभव नहीं है कि कुछ जगह पर आप 2:00 बजे तक लाइसेंस दें और कुछ जगह पर 12:00 तक का लाइसेंस दें. जब तक इसको लेकर शासन से गाइडलाइन जारी नहीं होती, तब तक इसको जमीन पर उतरना थोड़ा कठिन होगा. अगर शासन से शासनादेश जारी नहीं होगा तो फिर लोग लाइसेंस की मांग को लेकर कोर्ट भी जा सकते हैं.

सुरक्षा दावों पर क्या बोली लखनऊ पुलिस? - क्या कहते हैं जानकार

इस बारे में लखनऊ के वरिष्ठ पत्रकार रतन मणिलाल ने कहा कि लखनऊ का कल्चर यह नहीं है जो नए लखनऊ में डेवलप हो रहा है. जो नया लखनऊ बना है खासकर शहीद पथ के आसपास, वहां पर इस तरीके की घटनाएं लगातार देखने को मिल रही हैं. आलम यह है कि इस क्षेत्र में पुराने लखनऊ के लोग जाने से घबराते हैं. उन्हें डर रहता है कि अगर हम गए तो पता नहीं कब वहां वरदात हो जाए. इस तरह का जब कल्चर राजधानी लखनऊ में डेवलप हो रहा है तो जिला प्रशासन में एडमिनिस्ट्रेशन को इस ओर ध्यान देना चाहिए कि ऐसी व्यवस्था पर लगाम लगाई जाए, जो लोगों के लिए असहज है और उससे आपराधिक घटनाएं भी बढ़ रही हैं.

'नाकाम व्यवस्था है कारण'

सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता वर्षा सिंह ने कहा कि नाइट आउट का जो कल्चर बना है, यह सिर्फ लॉ एंड ऑर्डर का मामला नहीं है. यह एक तरीके से व्यवस्था का फेलियर है, जिस तरह से क्लब और बार के देर रात तक खुले रहने से मारपीट, हत्या, महिलाओं की आपस में मारपीट जैसी घटनाएं सामने आती हैं, इससे साबित होता है कि एक्साइज डिपार्टमेंट, पुलिस विभाग, एडमिनिस्ट्रेशन व्यवस्था को बनाने में नाकामयाब नजर आ रहा है. अगर इनके संचालन के साथ-साथ व्यवस्था को मजबूत बनाना है तो सभी विभागों को व्यापक व्यवस्थाएं करनी होंगी. पुलिस को अतिरिक्त पेट्रोलिंग करनी होगी. इसी के साथ-साथ बार संचालक पर जवाबदेही भी तय करनी होगी.

बढ़ते अपराध पर क्या बोले लखनऊ डीएम विशाख जी अय्यर? - बेलगाम हैं बार और पब

नए लखनऊ में स्थित कई बार और पब बेलगाम नजर आते हैं. यहां पहुंचने वाले लोगों से अवैध वसूली की शिकायतें भी सामने आती रही हैं. कई जगह तो युवाओं से एंट्री फीस ली जाती है, जबकि अंदर महिलाएं मौजूद होती हैं, जिनकी एंट्री फ्री होती है. फिर वो पब संचालकों के इशारे पर युवकों से दोस्ती करती हैं और उनका बिल बढ़ाती हैं. ज्यादा बिल बनने पर जब युवक विरोध करता है तो पब के कर्मचारी उससे वसूली के नाम पर मारपीट करते हैं. इसको लेकर सुशांत गोल्फ सिटी थाने में बीते दिनों एक एफआईआर भी दर्ज की गई थी.

इस वजह से पुलिस नहीं लगा पा रही लगाम

पुलिस के सामने चुनौती यह है कि आबकारी विभाग से इन्हें लेट नाइट तक शराब परोसने का लाइसेंस मिल जाता है. आबकारी नीति के तहत वैसे तो शराब दुकान खुले रहने का समय रात 10:00 बजे तक है, लेकिन अतिरिक्त पैसा देकर और विशेष आयोजन के नाम पर कई बार और पब मलिक रात के 2:00 बजे तक का लाइसेंस ले लेते हैं. लाइसेंस लेने के बाद इनकी मनमानी शुरू हो जाती है.

व्यवस्था के फेलियर पर क्या कहते हैं जानकार

पुलिस अधिकारी अगर जांच करने के लिए पहुंचते हैं तो लाइसेंस दिखाकर बार संचालक वैध होने की बात करते हैं. ऐसे में जब तक कोई घटना या दुर्घटना नहीं होती, तब तक पुलिस इन बार व पब मालिक व हुड़दंग करने वाले युवा-युवतियों के खिलाफ कुछ नहीं कर पाती. पुलिस के सामने यह भी चुनौती होती है कि अगर रात में सड़कों पर गाड़ियों से घूम रहे युवकों को टोका जाता है तो वह अपनी आजादी की बात कह कर पुलिस से बहस शुरू कर देते हैं, क्योंकि इस क्षेत्र में ज्यादातर प्रभावशाली परिवारों के लोग पहुंचते हैं. ऐसे में पुलिस की ज्यादा रोक-टोक करने पर उन्हें ही कानून का पाठ पढ़ा दिया जाता है.

पीएम मोदी का दिया हीरा अपने पास रखना चाहती थीं जिल बाइडन, लेकिन इस वजह से अमेरिकी सरकार को लौटाना पड़ा

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 2023 की अमेरिका यात्रा के दौरान जिल बाइडन को भेंट किया गया 7.5 कैरेट का लैब-ग्रोन हीरा उनकी सबसे यादगार सौगातों में शामिल रहा। अपनी आत्मकथा में बाइडन ने लिखा कि वह हीरा अपने पास रखना चाहती थीं, लेकिन अमेरिकी नियमों के तहत संघीय सरकार को लौटाना पड़ा। उन्होंने इसे कार्यकाल के दौरान आधिकारिक आयोजनों में पहना, लेकिन पद छोड़ने के बाद वापस कर दिया।

अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला डॉ. जिल बाइडन ने कहा है कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उपहार में दिए गए हीरे को अपने पास रखना चाहती थीं, लेकिन उसकी अधिक कीमत के कारण उन्होंने उसे संघीय सरकार को लौटा दिया। अपनी आत्मकथा 'व्यू फ्रॉम द ईस्ट विंगः ए मेमोइर' में बाइडन ने व्हाइट हाउस के जीवन और अमेरिका के प्रथम परिवार को मिलने वाले उपहारों से जुड़े सख्त नियमों का विस्तार से वर्णन किया है। यह पुस्तक इसी सप्ताह बाजार में आई है।

पीएम मोदी ने भेंट किया था 7.5 कैरेट का लैब-ग्रोन डायमंड

बाइडन को सबसे अधिक याद रहने वाले उपहारों में एक 7.5 कैरेट का लैब-ग्रोन डायमंड भी शामिल है, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने उनकी वॉशिंगटन स्थित राजकीय यात्रा के दौरान भेंट किया था। बाइडन लिखती हैं, 'कभी-कभी उपहार के रूप में छोटी-छोटी चीजें मिलती थीं, जैसे फूल या शराब, लेकिन कभी-कभी बड़ी चीजें भी मिलती थीं। इनमें 7.5 कैरेट का वह लैब-ग्रोन डायमंड भी शामिल था, जो भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी राजकीय यात्रा के दौरान मुझे दिया था। यह रत्न प्रयोगशाला में निर्मित हीरों के क्षेत्र में अग्रणी बनने के भारत के प्रयासों का प्रतीक था'।

हीरे को लेकर क्या थी जिल बाइडन की योजना

बाइडन आगे लिखती हैं, 'यह हीरा बेहद खूबसूरत था। अमेरिकी नैतिक नियमों के अनुसार यह उपहार व्यक्तिगत रूप से मेरा नहीं था। तकनीकी रूप से यह मुझे नहीं, बल्कि प्रथम महिला के पद को दिया गया था, इसलिए यह संघीय सरकार की संपत्ति माना गया'। उन्होंने बताया कि एक निश्चित मूल्य से अधिक के उपहारों की

सरकारी अधिकारियों द्वारा समीक्षा की जाती है और उनका रिकॉर्ड रखा जाता है। ऐसे उपहारों को प्राप्त करने वाला व्यक्ति उनके उचित बाजार मूल्य का भुगतान कर उन्हें खरीद सकता है। प्रधानमंत्री मोदी के उपहार के मामले में उन्होंने शुरूआत में ऐसा करने पर विचार किया था।

पहले खरीदने का मन बनाया फिर कीमत जानकर टाल दिया विचार

बाइडन लिखती हैं, 'प्रधानमंत्री ने कहा था कि यह उनके गृहनगर में 2,500 डॉलर में हस्तनिर्मित किया गया था। उनके पास इसकी रसीद भी थी। मैंने सोचा था कि शायद मैं इसे खरीद लूं। लेकिन बाद में विदेश विभाग ने इसकी कीमत 20,000 डॉलर आंकी, इसलिए मैंने इसे नहीं खरीदा'। उन्होंने आगे लिखा, 'मुझे बताया गया कि मैं इसे अपने कार्यालय में प्रदर्शित कर सकती हूं या पहनने के लिए उधार ले सकती हूं। इसलिए मैंने इसे अंगूठी में जड़वा लिया और आधिकारिक समारोहों में पहनती थी। यह व्यवस्था केवल व्हाइट हाउस में मेरे कार्यकाल तक ही रही। पद छोड़ने के बाद मैंने इसे वापस कर दिया। अंगूठी को अन्य अनगिनत राष्ट्रपति उपहारों के साथ एक गोदाम में रख दिया गया, जिनमें से कई को बाद में नष्ट कर दिया गया'।

यह संस्मरण इस घटना के माध्यम से व्हाइट हाउस के जीवन से जुड़े उन वित्तीय और नैतिक नियमों को रेखांकित करता है, जिन्हें अक्सर लोग ठीक से नहीं समझ पाते। बाइडन लिखती हैं कि आधिकारिक आवास, कार्यक्रमों और उपहारों से जुड़े विस्तृत नियमों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सार्वजनिक पदों पर बैठे लोग सरकारी संसाधनों या विदेशी उपहारों से व्यक्तिगत लाभ न उठा सकें।

जिल बाइडन ने कई अन्य उपहारों का भी किया जिक्र

बाइडन ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दिए गए हीरे की तुलना फ्रांस की प्रथम महिला ब्रिगिट मैक्रों द्वारा दिए गए एक कंगन से की है। इस कंगन का उनके लिए भावनात्मक महत्व था, इसलिए उन्होंने सरकार से इसे खरीद लिया ताकि पद छोड़ने के बाद भी वह इसे अपने पास रख सकें। बाइडन लिखती हैं, 'मैंने विदेश विभाग को भुगतान किया ताकि पद छोड़ने के बाद भी मैं इसे अपने पास रख सकूं। मैं इसे आज भी हर दिन पहनती हूं'। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान मिले अन्य उपहारों का भी उल्लेख किया है। इनमें 'यूक्रेन द्वारा बम के छर्रों से बनाया गया एक ब्रोच' भी शामिल है, जिसकी कीमत अधिकारियों ने 14,063 डॉलर आंकी थी।

जून 2023 में पीएम मोदी ने की थी अमेरिका की यात्रा

2023 में प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका की राजकीय यात्रा बाइडन प्रशासन के दौरान नई दिल्ली और वॉशिंगटन के बीच सबसे महत्वपूर्ण राजनयिक मुलाकातों में से एक थी। व्हाइट हाउस में आयोजित इस कार्यक्रम में 10,000 से अधिक भारतीय-अमेरिकी शामिल हुए थे। इस यात्रा के दौरान व्हाइट हाउस में राजकीय भोज का आयोजन किया गया था और रक्षा, प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर तथा रणनीतिक क्षेत्रों में भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते सहयोग को प्रमुखता से रेखांकित किया गया था।

मानव सुथार का परिवार स्टेडियम छोड़ क्यों चला गया? बेटे की सफलता नहीं देखने का बड़ा कारण

(जीएनएस)।

भारतीय क्रिकेट टीम के नए खिलाड़ी मानव सुथार ने अफगानिस्तान के खिलाफ मुल्लानपुर टेस्ट मैच में अपना शानदार डेब्यू किया है। इस खास मौके पर उनके माता-पिता और बहन उन्हें टेस्ट कैप मिलते देखने के लिए स्टेडियम पहुंचे थे। हालांकि मुकाबला शुरू होने से पहले ही उनका परिवार अचानक वापस अपने घर लौट गया।

खिलाड़ी के पिता जगदीश सुथार ने बताया कि उनका परिवार मुकाबले को लेकर बहुत ज्यादा नर्वस था। इसी घबराहट और एक खास अंधविश्वास के चलते उन्होंने स्टेडियम में बैठकर लाइव मैच न देखने का फैसला किया। उन्हें लगा कि टीवी के सामने बैठकर दुआ करना उनके बेटे के खेल के लिए ज्यादा बेहतर रहेगा।

मैदान पर दिखा शानदार प्रदर्शन

परिवार का यह अंधविश्वास आखिरकार टीम इंडिया और मानव के लिए बिल्कुल सही साबित हुआ। इस युवा स्पिनर ने मैच के दूसरे दिन अपनी बेहतरीन गेंदबाजी से

अफगानिस्तान के बल्लेबाजी क्रम को पूरी तरह तहस-नहस कर दिया। उन्होंने केवल 21 रन देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए और अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

बचपन के कोच को दिया श्रेय

राजस्थान के श्रीगंगानगर के रहने वाले जगदीश सुथार खुद एक रिटायर्ड पीटीआई हैं। उन्होंने अपने बेटे की इस बड़ी सफलता का पूरा श्रेय मानव की कड़ी मेहनत और उनके बचपन के कोच धीरज शर्मा को दिया है। उनका मानना है कि सही मार्गदर्शन की वजह से ही उनका बेटा आज इस मुकाम तक पहुंच पाया है।

पिता का हमेशा मिला पूरा साथ

जब मानव महज 11 साल के थे, तब उनके पिता ने उन्हें क्रिकेट एकेडमी में दाखिला कराया था। उन्होंने अपने बेटे को हमेशा खुलकर खेलने की आजादी दी और हर परिस्थिति में पूरा सहयोग करने का भरोसा दिया। पिता के इसी भरोसे ने मानव को बिना किसी दबाव के आगे बढ़ने की हिम्मत दी।

घर में बेहद शांत रहते हैं मानव

मैदान पर अपनी फिरकी से कमाल करने वाले मानव अपने घर पर बेहद शांत स्वभाव के रहते हैं। वह परिवार के साथ घरेलू माहौल में क्रिकेट को लेकर ज्यादा बातचीत करना पसंद नहीं करते हैं। आपको बता दें कि यह युवा खिलाड़ी भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को अपना आदर्श मानता है।

PRGI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

लखनऊ स्टेशन पर प्लेटफॉर्म शेड गिरने के मामले में लापरवाही आई सामने, कई मंडलों में लोहे की गुणवत्ता की होगी जांच

(जीएनएस)।

लखनऊ। लागत को कम करने के लिए भारी भरकम लोहे (स्टील आयरन) की जगह कास्टिंग आयन (पाइप आधारित लोहे) के शेड का इस्तेमाल तेजी से रेलवे में बढ़ा है। कास्टिंग आयरन का उपयोग भारी भरकम लोहे का वजन को संभालने के लिए हो रहा है। यह यात्रियों के लिए सुरक्षित नहीं हैं।

लखनऊ (चारबाग) स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर पांच का शेड गिरने के मामले की जांच कर रही कमेटी ने स्ट्रक्चरल आडिट के बाद इसकी गुणवत्ता को लेकर सवाल उठाए हैं। रेलवे बोर्ड ने सभी मंडलों को अपने यहां स्टेशनों के प्लेटफॉर्म शेड की गुणवत्ता को जांचने के आदेश दिए हैं।

विभिन्न रेल मंडलों में वजनी लोहे के स्ट्रक्चरल के स्थान पर पाइप आधारित शेड लगाए गए हैं। कुछ जगहों पर निर्धारित मानकों से कम मोटाई (अंडरगेज) पाइप लगाए जाने

की शिकायतें भी मिली हैं। लखनऊ में भी प्लेटफॉर्म शेड के निर्माण एवं नवीनीकरण कार्यों में लागत कम करने के लिए मूल डिजाइन और सामग्री में बदलाव किए गए।

लखनऊ स्टेशन की घटना का संज्ञान लेते हुए महत्वपूर्ण स्टेशनों के प्लेटफॉर्म शेड के निर्माण सामग्री की गुणवत्ता, पाइपों की वास्तविक मोटाई, डिजाइन अनुमोदन की प्रक्रिया और कार्यदायी एजेंसियों की भूमिका की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर सामग्री के नमूनों का परीक्षण भी कराया जाएगा।

बीती 29 मई को सुबह आठ बजे लखनऊ स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर पांच का 115 टन वजनी शेड गिर गया था। इस हादसे में एक टीटीई और दो रेल यात्री घायल हो गए थे।

इस मामले में सहायक रेलवे अभियंता, वर्क्स इंजीनियर, आरएलडीए के प्रोजेक्ट मैनेजर को निलंबित कर दिया गया था। जबकि निर्माण कर रही कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर को हटा दिया गया।

घटना की जांच के लिए जोनल रेलवे स्तर के तीन वरिष्ठ अधिकारियों की समिति बनायी गई है। इस समिति ने पिछले दिनों लखनऊ आकर घटनास्थल की जांच की थी। घटना से जुड़े 17 अधिकारियों और कर्मचारियों के बयान दर्ज किये गए थे।

लखनऊ से गोरखपुर के बीच 10 जून तक चलेंगी चार परीक्षा स्पेशल ट्रेनें

(जीएनएस)।

लखनऊ। पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा के अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन की ओर से 10 जून तक गोरखपुर से लखनऊ के बीच चार परीक्षा स्पेशल ट्रेनों को चलाने का निर्णय लिया गया है।

पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के जनसंपर्क अधिकारी महेश गुप्ता ने बताया कि प्रदेशभर में करीब 28 लाख अभ्यर्थियों के परीक्षा में शामिल होने की उम्मीद है। ऐसे में उनकी सुविधा के लिए रविवार से दस जून तक चार परीक्षा स्पेशल ट्रेनों को चलाया जाएगा। गाड़ी संख्या 05031 गोरखपुर-लखनऊ अनारक्षित परीक्षा स्पेशल गोरखपुर से शाम सात बजे चलकर खलीलाबाद, बस्ती, बभनान, मनकापुर, गोंडा, करनैलगंज,

बाराबंकी होते हुए रात 12:20 बजे बादशाहनगर व रात 12:55 बजे लखनऊ जंक्शन पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 05032 लखनऊ-गोरखपुर अनारक्षित परीक्षा स्पेशल ट्रेन लखनऊ जं. से शाम सवा छह बजके चलकर बादशाहनगर से शाम 6:48 बजे होते हुए उपरोक्त स्टेशनों के रास्ते गोरखपुर रात 11:55 बजे पहुंचेगी। इसी क्रम में गाड़ी संख्या 05005 गोरखपुर-लखनऊ अनारक्षित परीक्षा विशेष गोरखपुर से दोपहर 1:30 बजे चलकर खलीलाबाद, बस्ती, बभनान, मनकापुर, गोंडा, करनैलगंज, बाराबंकी होते हुए बादशाहनगर शाम 5:42 बजे व लखनऊ जंक्शन शाम सवा छह बजे पहुंचेगी। वापसी में 05006 लखनऊ-गोरखपुर अनारक्षित परीक्षा विशेष लखनऊ जंक्शन से दोपहर डेढ़ बजे चलकर बादशाहनगर दोपहर 1:52 बजे होते हुए उपरोक्त स्टेशनों के रास्ते गुजरते हुए गोरखपुर शाम 6:50 बजे पहुंचेगी। परीक्षा स्पेशल ट्रेनों में जनरल के दस कोच लगाए जाएंगे।

नए कलेवर में नजर आएगा लखनऊ का लोक कला संग्रहालय

प्रदेश की समृद्ध लोक कला, हस्तशिल्प और सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक अंदाज में प्रस्तुत करने के लिए संग्रहालय में नई गैलरियों, बच्चों के एक्टिविटी जोन, वर्कशॉप स्पेस, लैंडस्केप अपग्रेडेशन और लोक कला इंस्टॉलेशन के समेकित विकास की योजना तैयार की गई है।

(जीएनएस)।

लखनऊ , राजधानी के चिड़ियाघर स्थित लोक कला संग्रहालय अब एक नए और आकर्षक स्वरूप में नजर आने वाला है। प्रदेश की समृद्ध लोक कला, हस्तशिल्प और सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक अंदाज में प्रस्तुत करने के लिए संग्रहालय में नई गैलरियों, बच्चों के एक्टिविटी जोन, वर्कशॉप स्पेस, लैंडस्केप अपग्रेडेशन और लोक कला इंस्टॉलेशन के समेकित विकास की योजना तैयार की गई है। इसके विकास के लिए लगभग 1.98 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की गई है।

इस परियोजना के तहत संग्रहालय परिसर को अधिक जीवंत, संवादात्मक और अनुभवात्मक बनाया जाएगा। प्रवेश द्वार की दीवारों का आकर्षक अपग्रेडेशन किया जाएगा, वहीं पारंपरिक भारतीय मान्यताओं को दशार्ने वाला नींबू-मिर्ची इंस्टॉलेशन भी विकसित किया जाएगा। संग्रहालय में लोक कला का परिचय, रामायण के प्रभाव तथा प्रागैतिहासिक काल से लोक कला के विकास को कला, प्रकाश व्यवस्था और आधुनिक प्रस्तुतीकरण तकनीकों के माध्यम से

दशार्या जाएगा। परियोजना के अंतर्गत एक विशेष डॉल डिस्प्ले गैलरी, आधुनिक रिसेप्शन और प्राथमिक चिकित्सा कक्ष भी विकसित किया जाएगा। संग्रहालय की प्रत्येक मंजिल पर अलग-अलग थीम आधारित इमर्सिव रास्ते तैयार किए जाएंगे। जिनमें रस्सियों, दीवार चित्रों, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट तकनीक, मिट्टी के सिमुलेशन, फूस की छतों, पारंपरिक कुओं और झोपड़ियों जैसे रचनात्मक इंस्टॉलेशन शामिल होंगे।

लोक कला और शिल्प को व्यावहारिक रूप से समझाने के लिए संग्रहालय में विशेष कला इंस्टॉलेशन और क्रिएटिव पार्टिशन भी बनाए जाएंगे। मिट्टी के बर्तन बनाने के स्टूडियो और टिकट आधारित ट्रेनिंग क्लासेज के साथ क्ले गैलरी विकसित की जाएगी। जहां आगंतुक स्वयं भी इस कला को सीख सकेंगे। इसके अलावा पारंपरिक घरेलू जीवन को प्रदर्शित करने के लिए धातु और लकड़ी से जुड़ी कलाकृतियों तथा उपयोगी वस्तुओं के साथ मेटल एवं वुड गैलरी तैयार की जाएगी। संग्रहालय में उत्तर प्रदेश की प्रसिद्ध हस्तकलाओं को भी विशेष स्थान दिया जाएगा। चिकनकारी, जरी और जरदोजी जैसी पारंपरिक कलाओं को अलग-अलग इंस्टॉलेशन शैली में प्रदर्शित करने के लिए फैब्रिक गैलरी विकसित की जाएगी। वहीं, कार्पेट निर्माण की परंपरा को दशार्ने के लिए कार्पेट गैलरी और कार्पेट टफ्टिंग एक्टिविटी एरिया बनाया जाएगा। जहां आगंतुक इस कला की बारीकियों को नजदीक से समझ सकेंगे। साथ ही एक कॉमन ब्रेक-आउट एरिया और ड्राई पैंट्री कैफे लाउंज भी विकसित किया जाएगा, जिससे पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि परियोजना के तहत मौजूदा गैलरियों की स्टोरीलाइन को भी आधुनिक रूप दिया जाएगा और अतिरिक्त डिस्प्ले पैनल लगाए जाएंगे। ताकि संग्रहालय की प्रस्तुति और अधिक प्रभावशाली बन सके। लोक कला संग्रहालय परिसर में प्रस्तावित यह समेकित विकास कार्य प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को नई पहचान देने के साथ-साथ लखनऊ को सांस्कृतिक पर्यटन के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

'एक व्यक्ति अहंकार में चूर होकर शंकराचार्य का अपमान करता है', सीएम योगी पर अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का हमला

(जीएनएस)।

आगरा में गविष्टि यात्रा के दौरान शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा पर निशाना साधते हुए गाय को माता घोषित करने की मांग उठाई. उन्होंने आरोप लगाया कि शंकराचार्यों का अपमान किया जा रहा है और सरकारें अपने वादे निभाने में विफल रही हैं. वहीं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शंकराचार्य का सम्मान करने की बात कही, लेकिन समाजवादी पार्टी पर हमला बोला.

आगरा पहुंचे ज्योतिष पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने भारतीय जनता पार्टी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तीखा हमला बोला. गो संरक्षण एवं जनजागरण के उद्देश्य से निकाली जा रही गविष्टि यात्रा के तहत रविवार को राजपुर चुंगी स्थित परशुराम मंदिर पार्क में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग दोहराई और लोगों से ऐसे जनप्रतिनिधियों को चुनने का आह्वान किया जो गाय को माता का दर्जा देने के पक्ष में हों.

अऊश्एफ्ळकरुएटएठळ

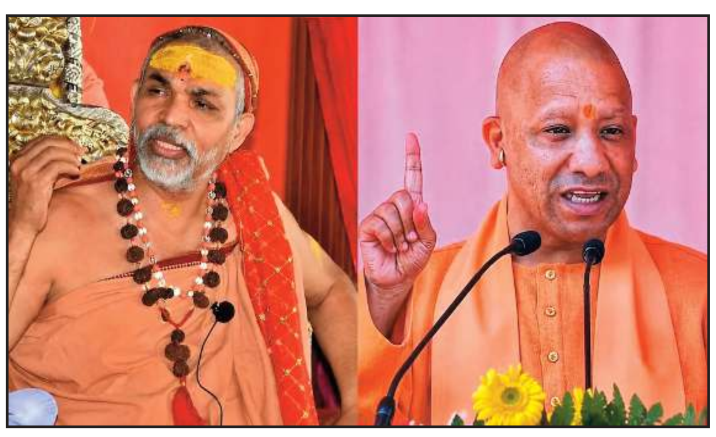

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि सभी लोग शंकराचार्यों का सम्मान करते हैं, लेकिन एक व्यक्ति अहंकार में चूर होकर उनका अपमान कर रहा है. उन्होंने कहा कि शंकराचार्यों का अपमान मुगलों और अंग्रेजों ने भी नहीं किया था. यदि कोई व्यक्ति गलत है तो उसे गलत कहना ही पड़ेगा.

शंकराचार्य ने कहा कि देश में गाय को माता का दर्जा देने का वादा वर्षों से किया जाता रहा है, लेकिन आज तक इसे पूरा नहीं किया गया. उन्होंने कहा कि पिछले 78 वर्षों में जनता के साथ छल हुआ है और केंद्र तथा उत्तर प्रदेश सरकार भी अपने वादों को पूरा करने में असफल रही है. उन्होंने कहा कि गोमाता की पीड़ा को न समझना जनता के साथ धोखा है.

उन्होंने कहा कि उनकी यात्रा किसी व्यक्ति या दल के खिलाफ नहीं है, बल्कि गाय को माता घोषित कराने के लिए है. यदि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गाय को माता घोषित करते हैं तो वे उनकी भी प्रशंसा करेंगे. उन्होंने दावा किया कि भाजपा के भीतर दो विचारधाराएं हैं. एक भाजपा गाय और संतों का सम्मान करती है, जबकि दूसरी गाय को माता कहने और संतों का सम्मान करने को तैयार नहीं है.

राजनीतिक दलों की परीक्षा की बात करते हुए शंकराचार्य ने कहा कि सभी नेताओं और दलों को औपचारिक रूप से गाय को माता स्वीकार करना चाहिए. उन्होंने बताया कि अब तक इस कसौटी पर केवल महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे खरे उतरे हैं.

इस बीच आगरा पहुंचे उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शंकराचार्य पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि वह उनका सम्मान करते हैं. हालांकि सैफई में शंकराचार्य के सम्मान को लेकर उन्होंने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा. मौर्य ने इसे सैफई परिवार का ढोंग बताते हुए कहा कि राम और शिव भक्तों पर गोली चलवाना उनका वास्तविक चरित्र रहा है तथा समाजवादी पार्टी वर्ष 2047 तक सत्ता में नहीं आने वाली.

पंचायती राज मंत्रालय 09 जून 2026 को गांधीनगर, गुजरात में एक जनसंपर्क कार्यशाला एवं आत्मनिर्भर पंचायत कार्यक्रम का आयोजन करेगा

कार्यशाला का आयोजन हाइब्रिड मोड में किया जाएगा जिसमें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पूरे गुजरात के पात्र ग्राम पंचायत एवं ब्लॉक पंचायत शामिल होंगे

(जीएनएस)।

पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 09 जून 2026 को गांधीनगर, गुजरात में आत्मनिर्भर पंचायत कार्यक्रम पर एक आउटरीच कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यशाला का आयोजन पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव श्री विवेक भारद्वाज, पंचायती राज मंत्रालय की संयुक्त सचिव श्रीमती मुक्ता शेखर, गुजरात सरकार के पंचायत, ग्रामीण आवास एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव श्री धनंजय द्विवेदी, गुजरात सरकार के अतिरिक्त विकास आयुक्त डॉ. गौरव दहिया, गुजरात सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, आवास एवं शहरी विकास निगम लिमिटेड (हुडको) और राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के प्रतिनिधियों तथा पंचायत प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों की उपस्थिति में किया जाएगा।

इस कार्यशाला का आयोजन हाइब्रिड मोड में किया जाएगा। इसमें गांधीनगर के आसपास स्थित पात्र पंचायतें व्यक्तिगत रूप से शामिल होंगे जबकि इस दायरे से बाहर स्थित पंचायतें अपने-अपने कार्यालयों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लाइव शामिल होंगी। मंत्रालय का उद्देश्य इस पहल के माध्यम से पूरे गुजरात में ग्राम पंचायत एवं ब्लॉक पंचायत स्तर के नेताओं से सीधे जुड़ना और उन्हें आत्मनिर्भर पंचायत कार्यक्रम की परिकल्पना, उद्देश्य एवं परिचालन रूपरेखा से अवगत कराना है।

कार्यशाला के लिए निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, पंचायती राज मंत्रालय के सचिव आत्मनिर्भर पंचायत कार्यक्रम पर अपने दृष्टिकोण पर प्रकाश डालेंगे साथ ही इसमें राष्ट्रीय नीति के उद्देश्यों, तकनीकी रूपरेखा एवं अपेक्षित परिणामों पर विस्तृत प्रस्तुति, आत्मनिर्भर पंचायत पोर्टल का लाइव प्रदर्शन एवं एक संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र शामिल है। नाबार्ड और हुडको के प्रतिनिधि भी प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे तथा कार्यक्रम के प्रति अपने संस्थानों की प्रतिबद्धता की पुष्टि करेंगे।

आत्मनिर्भर पंचायत कार्यक्रम भारत सरकार की एक पहल है जिसका संचालन पंचायती राज मंत्रालय द्वारा किया जाता है। इसका उद्देश्य पंचायतों की वित्तीय आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है, एक पारदर्शी राष्ट्रीय चुनौती प्रक्रिया के माध्यम से पंचायतों को आमंत्रित किया जाता है कि वे ऐसी राजस्व-निर्माण परियोजनाओं एवं पहलों के लिए अपने विचार प्रस्तुत करें जो अनुपयोगी संपत्तियों एवं अप्रयुक्त स्थानीय अवसरों का उत्पादक उपयोग करें। चयनित विचारों को योजना अनुरूप, बैंक योग्य परियोजनाओं में विकसित करने के लिए मंत्रालय से समर्पित तकनीकी सहायता प्राप्त होगी, जिसमें धन समर्थन सार्वजनिक-निजी साझेदारी (पीपीपी), कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) योगदान, बैंक वित्त और अन्य सरकारी योजनाओं के साथ समन्वय से प्राप्त होगा। सामुदायिक स्वामित्व ग्राम सभा की प्रत्येक योजना चरण में अनिवार्य सहभागिता के माध्यम से सुनिश्चित किया जाता है।

सभी ग्राम पंचायतें जिनका न्यूनतम स्वयं स्रोत राजस्व (ओएसआर) 50 लाख रुपये है और सभी ब्लॉक पंचायतें जिनका न्यूनतम ओएसआर एक करोड़ रुपये है, और दोनों की अवधि में कम से कम तीन साल शेष हैं, इस प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं। पंचायत राज मंत्रालय ने ग्रामीण परियोजना विकास में संस्थागत विशेषज्ञता प्रदान करने और योग्य पंचायतों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए नाबार्ड और हुडको के साथ साझेदारी की है।

राष्ट्रीय ग्राम शासन अभियान (आरजीएसए) के अंतर्गत आत्मनिर्भर पंचायत कार्यक्रम को लागू किया गया है। इसका उद्देश्य आत्मनिर्भर, आर्थिक रूप से सक्षम पंचायतों की एक नई पीढ़ी का निर्माण करना है, जो इस बात का उदाहरण प्रस्तुत करें कि वित्तीय स्वतंत्रता और स्वशासन एक दूसरे के पूरक है। मंत्रालय की सोच है कि एक आत्मनिर्भर पंचायत आत्मनिर्भर भारत की सबसे मजबूत नींव है। गांधीनगर कार्यशाला गुजरात राज्य में कार्यक्रम के विस्तार की शुरूआत का प्रतीक है।

मेरठ में अवैध मदरसों की जांच की मांग:भाजपा नेता ने सीएम योगी को लिखा पत्र, विदेशी फंडिंग के आरोप लगाए

(जीएनएस)।

मेरठ के जागृति विहार निवासी भाजपा नेता राहुल ठाकुर ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर जिले और आसपास के क्षेत्रों में संचालित कथित अवैध मदरसों की जांच कराने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि कुछ मदरसों का संचालन बिना आवश्यक दस्तावेजों के किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में राहुल ठाकुर ने दावा किया है कि कुछ मदरसों को विदेशों से फंडिंग प्राप्त होती है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन संस्थानों में बच्चों को भड़काने का काम किया जाता है। हालांकि, इन आरोपों के समर्थन में कोई आधिकारिक प्रमाण पत्र में सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत नहीं किया गया है।

भाजपा नेता ने अपने पत्र में किठौर, भावनपुर और इचौली समेत कई क्षेत्रों का जिक्र करते हुए कहा कि वहां ऐसे मदरसे संचालित हो रहे हैं, जिनके पास आवश्यक अनुमतियां और दस्तावेज नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि शिकायतों के बावजूद इन संस्थानों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है।

खुफिया जांच कराने की मांग

राहुल ठाकुर ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि कथित अवैध मदरसों की जांच खुफिया विभाग और संबंधित एजेंसियों से कराई जाए। उनका कहना है कि जांच के माध्यम से इन संस्थानों की गतिविधियों और फंडिंग के स्रोतों की वास्तविक स्थिति सामने आ सकेगी।

पत्र में उन्होंने गाजियाबाद के खोड़ा क्षेत्र में हुई एक घटना और सूर्य चौहान हत्याकांड का हवाला देते हुए कहा कि ऐसी घटनाओं से सबक लेते हुए समय रहते जांच की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की कि इन संस्थानों में पढ़ चुके बच्चों से संवाद कर उनकी सोच और सामाजिक दृष्टिकोण का अध्ययन किया जाए।

फिलहाल इस मामले में जिला प्रशासन या संबंधित विभाग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। भाजपा नेता द्वारा लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। मामले में आगे की कार्रवाई शासन स्तर पर लिए गए निर्णय के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

गोरखपुर-खजनी-गोला बाजार मार्ग बनेगा फोरलेन:सीएम योगी ने दी मंजूरी, विधायक ने की पुष्टि

खजनी कस्बा गोरखपुर खजनी मार्ग और डिवाइडर के रूप में लगने वाले पिलर।

गोरखपुर जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-एनएच-27 से नौसढ़ हरैया से निकलकर खजनी, बांसगांव और गोला बाजार तहसीलों की ओर जाने वाली सड़क अब फोरलेन बनेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में इसके चौड़ीकरण को मंजूरी दे दी है। यह मार्ग जिले की तीन प्रमुख तहसीलों को जोड़ता है।

सहजनवां विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रदीप शुक्ला ने बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इस संबंध में बातचीत की थी। उन्होंने बताया कि गोरखपुर की सहजनवां, चौरी-चौरा, कैंपियरगंज और सदर तहसीलें राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ी हैं, लेकिन खजनी, बांसगांव और गोला बाजार की ओर जाने वाली यह सड़क वर्तमान में दो लेन की है। इससे इस मार्ग पर अक्सर जाम की समस्या बनी रहती है।

यह मार्ग गोरखपुर से खजनी,

बांसगांव, कौड़ीराम, माल्हनपार, सिकरीगंज, बेलघाट, उरूवां, गोला बाजार से बड़हलगंज तक जाता है। यह न केवल जिले की तीन तहसीलों को जोड़ता है, बल्कि संतकबीरनगर, आंबेडकर नगर, आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर और बस्ती जैसे कई अन्य जिलों के लिए भी एक प्रमुख मार्ग है। वर्ष 2011 में तत्कालीन बसपा सरकार के कार्यकाल में इसे राज्यमार्ग घोषित किया गया था।

राज्य राजमार्गों की चौड़ाई भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) के मानकों पर निर्भर करती है। वर्तमान में यह सड़क दो लेन की है। इसे फोरलेन बनाने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने वर्ष 2011-12 में ही कस्बों में सड़क के दोनों ओर बने मकानों और दुकानों को चिह्नित कर दिया था। सड़क के फोरलेन बनने के साथ ही बीच में डिवाइडर भी लगाए जाएंगे, जिसके लिए पीडब्ल्यूडी द्वारा खजनी ब्लॉक परिसर में सीमेंट के पिलरों का निर्माण कराया जा रहा है।

विधायक प्रदीप शुक्ला ने पुष्टि की कि मुख्यमंत्री ने खजनी मार्ग को फोरलेन बनाने की स्वीकृति दे दी है। उन्होंने बताया कि एस्टीमेट बनते ही अगले छह महीने के भीतर सड़क का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

संभल में योगी आदित्यनाथ के जीवन पर प्रतियोगिता:विश्व हिंदू महासंघ ने 55वें जन्मोत्सव पर कराई परीक्षा

(जीएनएस)।

सम्भल के नरौली स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 55वें जन्मोत्सव पर एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्व हिंदू महासंघ द्वारा आयोजित इस परीक्षा में छात्र-छात्राओं ने योगी आदित्यनाथ के जीवन और व्यक्तित्व से जुड़े प्रश्नों के उत्तर दिए। यह आयोजन महासंघ द्वारा चलाए जा रहे साप्ताहिक कार्यक्रमों की श्रृंखला का हिस्सा था।

यह प्रतियोगिता विद्यालय के प्रधानाचार्य राकेश कुमार शर्मा के निर्देशन और विद्यालय प्रबंधक राकेश शर्मा के व्यवस्थापन में संपन्न हुई। आयोजकों ने बताया कि इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रेरणादायी व्यक्तित्वों से परिचित कराना और उनमें सामान्य ज्ञान तथा अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ाना है।

इस अवसर पर विश्व हिंदू महासंघ के जिला अध्यक्ष महेश शर्मा, नरौली नगर महामंत्री मुकेश शर्मा, नगर मंत्री सुनील तिवारी, नगर मीडिया

प्रभारी अमन श्रीवास्तव और आचार्य ज्योति सहित कई पदाधिकारी व शिक्षक उपस्थित रहे। सभी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया।

जिला अध्यक्ष महेश शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में विभिन्न सामाजिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में यह प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास में सहायक होते हैं और उन्हें समाज तथा राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को सांत्वना पुरस्कार के रूप में प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे।

वहीं, प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को आगामी समारोह में विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष भिखारी दास प्रजापति के हस्ताक्षरयुक्त प्रमाण-पत्र और पदक देकर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर विद्यालय परिवार और संगठन पदाधिकारियों ने संतोष व्यक्त किया।

लखनऊ के 1090 चौराहे पर आधे घंटे तक मारपीट:लाठी-डंडों से लैस होकर पहुंचे दबंग, युवकों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा; नहीं दिखी पुलिस

(जीएनएस)।

लखनऊ के गौतमपल्ली इलाके में कुछ युवकों ने सड़क पर जमकर उत्पाद मचाया। लाठी डंडे लेकर एक दूसरे पर हमला किया और गाड़ियां तोड़ दी। घटना से मौके पर अफरा तफरी का माहौल हो गया। वहां मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

गौतमपल्ली थानाक्षेत्र के 1090 चौराहे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो रविवार शाम का बताया जा रहा है, जिसमें कुछ लड़के सड़क पर लाठी-डंडे से लैस होकर दौड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। सभी लड़के एक दूसरे पर हमला कर रहे हैं। घटना करीब आधे घंटे तक चलती रही। इस दौरान पुलिस

नहीं दिखाई दी।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक यूजर ने वायरल किया, जिसमें उसने लिखा- 1090 चौराहे पर दबंगों का जमकर तांडव देखने को मिला। दबंगों ने पुलिस का खौफ छोड़कर खुलेआम मारपीट की और इलाके में हंगामा किया। घटना के बाद आसपास के लोगों में दहशत का माहौल है।

शहर के व्यस्त और संवेदनशील माने जाने वाले 1090 चौराहे पर हुई इस वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसी घटनाओं से आम जनता में भय का माहौल बन रहा है।

इस घटना से कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इंस्पेक्टर गौतमपल्ली का कहना है किसी भी पक्ष से कोई तहरीर नहीं मिली है। सीसीटीवी की मदद से गाड़ियों को चिन्हित किया जा रहा है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जनता एक्सप्रेस के लोको पायलट को यात्रियों ने पीटा, देहरादून जा रही थी ट्रेन; एफआईआर हुई दर्ज

रविवार को ट्रेन आलमनगर रेलवे स्टेशन पहुंची तो लोको पायलट राजेंद्र कुमार इंजन से उतरकर पास की बोगी में चले गए। जहां यात्रियों से उनकी कहासुनी हुई।

(जीएनएस)।

लखनऊ, वाराणसी से देहरादून जा रही जनता एक्सप्रेस के लोको पायलट से आलमनगर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों से कहासुनी व मारपीट हो गई। यात्रियों ने रेलकर्मी को पीट दिया, जिससे उसे चोटें आ गईं। चारबाग जीआरपी ने यात्रियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यात्रियों का

कहना है कि लोको पायलट उनकी सीटों पर अपने परिचित को बिठा रहे थे, जबकि लोको पायलट ने बताया कि वह शौचालय इस्तेमाल के लिए बोगी में गया था।

मामला ट्रेन संख्या 15119 जनता एक्सप्रेस का है। यह ट्रेन सुबह 8:20 बजे वाराणसी से चलकर शाम करीब 4:50 बजे आलमनगर रेलवे स्टेशन पहुंचती है। शाहजहांपुर में रेलवे कॉलोनी में रहने वाले लोको पायलट ट्रेन को लखनऊ से मुरादाबाद तक ले जा रहे थे, जहां उनकी ड्यूटी खत्म होनी थी और आगे दूसरे लोको पायलट को जिम्मेदारी मिलती।

रविवार को जब ट्रेन आलमनगर रेलवे स्टेशन पहुंची तो लोको पायलट राजेंद्र कुमार इंजन से उतरकर पास की बोगी में चले गए। जहां यात्रियों से उनकी कहासुनी हुई, फिर यात्रियों ने उन्हें पीट दिया, जिससे उन्हें चोटें आ गईं। सूचना पर तत्काल जीआरपी मौके पर पहुंची, जिसके बाद लोको पायलट की ओर से तीन यात्रियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई।

रामनगर में हिंदू युवा संघ ने भगवा रैली निकाली:सीएम योगी के चित्र पर रोली का टीका लगाकर उनका जन्मदिन मनाया

(जीएनएस)।

रामनगर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन के उपलक्ष्य और भाजपा सरकार के नौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में रविवार शाम रामनगर के गणेशपुर स्थित श्री राम जानकी ठाकुरद्वारा मंदिर परिसर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। हिंदू युवा संघ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विधानसभा क्षेत्र 267 रामनगर के भाजपा नेता एवं समाजसेवी गौरीकांत दीक्षित मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरूआत नगर भ्रमण और भगवा रैली से हुई। डीजे पर 'जय श्री राम' और 'योगी-मोदी' के गीतों के बीच निकाली गई इस रैली में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। यह रैली श्री राम जानकी ठाकुरद्वारा मंदिर से शुरू होकर लकड़ी मंडी तक पहुंची और विभिन्न मार्गों से होते हुए वापस मंदिर परिसर में संपन्न हुई।

रैली के बाद हनुमान चालीसा पाठ, दीपदान, महाआरती और प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि गौरीकांत दीक्षित सहित

सभी पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चित्र पर रोली का टीका लगाकर उनका जन्मदिन मनाया।

मुख्य अतिथि गौरीकांत दीक्षित ने इस अवसर पर योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में हुए विकास कार्यों की सराहना की। उन्होंने मुख्यमंत्री के स्वस्थ, दीघार्यु और यशस्वी जीवन की कामना की।

श्री दीक्षित ने हनुमान जी के परिसर में सहयोग का आश्वासन देते हुए मंदिर में लगने वाली सामग्री उपलब्ध कराने की बात कही। इसके अतिरिक्त, सुनील सिंह सेवक ने श्री रामचंद्र जी का आशीर्वाद लिया और मंदिर परिसर में भगवा टाइल्स लगाने का आश्वासन दिया।

इस कार्यक्रम में मंडल प्रभारी अयोध्या रवि सिंह, सुधीर सिंह, विश्व हिंदू महासंघ जिला अध्यक्ष दीपांशु निगम, विपिन कौशल, रमेश शुक्ला, सुमित शुक्ला सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के सफल संचालन में मुख्य संयोजक रमेश चंद्र गुप्ता, अध्यक्ष रामचंद्र गुप्ता, कोषाध्यक्ष संजय अग्रवाल, शिवराम गुप्ता, संजू सोनी, अनंत गुप्ता, विनोद सोनी, पंडित शुभम गुप्ता, मोहित मिश्रा, संदीप मिश्रा, माधव द्विवेदी बबलू गुप्ता और तेजराम रावत सहित अन्य कार्यकताओं का विशेष योगदान रहा।

सुरक्षा व्यवस्था के लिए थाना प्रभारी रामनगर अरुण प्रताप सिंह, चौकी इंचार्ज रजनीश कुमार पांडे, सब इंस्पेक्टर रविंदर सिंह तथा फायर ब्रिगेड टीम के सितारे हिंद और विजय कुमार सहित दर्जनों पुलिसकर्मी तैनात रहे।

सम्राट चौधरी के बुलडोजर के शिकार हुए उनके ही खास मंत्री, जमींदोज हुआ नर्सिंग होम, मचा हड़कंप

(जीएनएस)।

बिहार में अतिक्रमण के खिलाफ चल रहे अभियान के बीच एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज कर दी है। सीतामढ़ी के रिंग बांध क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण के लिए जिला प्रशासन ने बुलडोजर कार्रवाई की, जिसमें राज्य सरकार की मंत्री डॉ. श्वेता गुप्ता के नर्सिंग होम की दीवार भी तोड़ दी गई।

खास बात यह है कि बिहार सरकार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी लगातार अतिक्रमण हटाने और विकास कार्यों को तेज करने पर जोर देते रहे हैं। ऐसे में सरकार के ही एक मंत्री की संपत्ति पर कार्रवाई ने सबका ध्यान खींच लिया है।

सड़क चौड़ीकरण के लिए चला बुलडोजर

सीतामढ़ी के रिंग बांध पर सड़क निर्माण और चौड़ीकरण का काम चल रहा है। इसी परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए प्रशासन ने सरकारी जमीन पर बने अवैध निमार्णों को हटाने का अभियान शुरू किया। लखनदेई पुल के उत्तर हिस्से में कई निर्माण चिन्हित किए गए थे। अधिकारियों के मुताबिक सड़क परियोजना में बाधा बन रहे ढांचों को हटाना जरूरी था। इसी वजह से रविवार को भारी पुलिस बल और प्रशासनिक टीम की मौजूदगी में बुलडोजर कार्रवाई की गई।

मंत्री के नर्सिंग होम की दीवार भी टूटी

कार्रवाई के दौरान सबसे ज्यादा चर्चा समाज एवं बाल कल्याण मंत्री Shweta Gupta के नर्सिंग होम की चहारदीवारी को लेकर हुई। प्रशासन ने बताया कि यह हिस्सा चिन्हित अतिक्रमण क्षेत्र में आ रहा था। इसलिए नियम के तहत बुलडोजर चलाकर दीवार को हटाया गया। स्थानीय लोगों के बीच यह चर्चा का विषय बन गया कि सरकार की मंत्री होने के बावजूद कार्रवाई में किसी तरह की छूट नहीं दी गई।

सर्वे में सामने आया था बड़ा कब्जा

जिला प्रशासन द्वारा पहले कराए गए सर्वे में पता चला था कि रिंग बांध की सरकारी जमीन पर बड़े स्तर पर कब्जा किया गया है। यहां नर्सिंग होम, दुकानें, गोदाम और अन्य पक्के निर्माण खड़े कर दिए गए थे। जमीन की मापी और सीमांकन के बाद अतिक्रमण वाले हिस्सों को चिन्हित किया गया। अधिकारियों का कहना है कि सड़क परियोजना और भविष्य के विकास कार्यों को देखते हुए सरकारी जमीन को खाली कराना जरूरी था।

नोटिस के बावजूद नहीं हटाया गया कब्जा

प्रशासन ने कार्रवाई से पहले सभी संबंधित लोगों को नोटिस जारी किया था। उन्हें खुद से अतिक्रमण हटाने का मौका भी दिया गया था। लेकिन अधिकांश मामलों में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इसके बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बुलडोजर अभियान शुरू किया। अधिकारियों का कहना है कि नियम सभी के लिए समान हैं और सरकारी जमीन पर बने अवैध निमार्णों को हटाने की प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी।

आगे भी जारी रहेगा अभियान

रिंग बांध क्षेत्र में यह पहली कार्रवाई नहीं है। इससे पहले भी कई स्थानों पर अतिक्रमण हटाया जा चुका है। समीक्षा बैठक में रीगा अंचल में 91 और डुमरा अंचल में 62 अतिक्रमण वाले स्थान चिन्हित किए गए थे। प्रशासन का कहना है कि सड़क चौड़ीकरण, ट्रैफिक सुधार और विकास परियोजनाओं में रुकावट बनने वाले सभी अवैध कब्जों पर कार्रवाई होगी। सरकार का संदेश साफ है कि विकास कार्यों के रास्ते में आने वाले अतिक्रमण को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय महिला फुटबॉल टीम को सैफ चैंपियनशिप 2026 जीतने पर बधाई दी

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय महिला फुटबॉल टीम को सैफ चैंपियनशिप 2026 जीतने पर बधाई दी

(जीएनएस)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय महिला फुटबॉल टीम को सैफ चैंपियनशिप 2026 जीतने पर बधाई दी है। भारत ने कल गोवा के मडगांव में खेले गए फाइनल में मौजूदा चैंपियन बांग्लादेश को 3-1 से हराकर रिकॉर्ड छठी बार खिताब अपने नाम किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि खिलाड़ियों ने पूरे टूनार्मेंट में बेहतरीन कौशल, दृढ़ संकल्प और टीम भावना का प्रदर्शन किया। उन्होंने विश्वास जताया कि टीम की यह सफलता देशभर की युवा खिलाड़ियों को आत्मविश्वास और साहस के साथ अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करेगी।

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने कहा कि यह उपलब्धि भारत में महिला फुटबॉल की बढ़ती ताकत को दशार्ती है और देश के उभरते खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। उन्होंने इसे देश के लिए गर्व का क्षण बताया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने टीम के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि यह जीत आने वाले समय में और अधिक युवाओं को फुटबॉल खेलने के लिए प्रोत्साहित करेगी। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएँ भी दीं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी भारतीय महिला फुटबॉल टीम को रिकॉर्ड छठी बार सैफ चैंपियनशिप जीतने पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि इस सफलता से देश भर के युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी। श्री सिंह ने सभी खिलाड़ियों को निरंतर सफलता और उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने भी भारतीय महिला टीम को बधाई देते हुए इसे भारतीय फुटबॉल के लिए गर्व का क्षण बताया।

इंडोनेशिया, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया तीन दोस्तों के घर जा रहे पीएम मोदी, दो तो हैं चीन के दुश्मन, होने वाली है कौन सी बड़ी डील?

यह यात्रा भारत की इंडो-पैसिफिक रणनीति को मजबूत करेगी तथा व्यापार, रक्षा और डायस्पोरा संबंधों को नई ऊंचाई देगी.

(जीएनएस)।

पश्चिम एशिया में चल रहे उथल-पुथल के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने एक और यात्रा के लिए जा रहे हैं. उनके इस दौरे में तीन ऐसे देश शुमार होंगे, जो इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण माने जाते हैं. इसमें दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम देश इंडोनेशिया, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया को शामिल है. उनके इस दौरे का मुख्य उद्देश्य भारत के रणनीतिक, आर्थिक और रक्षा संबंधों को और मजबूत करना है. इन तीनों देशों के साथ भारत के गहरे हित जुड़े हुए हैं और इसी सहयोग को बढ़ाने के लिए पीएम मोदी इन देशों की यात्रा करने जा रहे हैं.

यात्रा की शुरूआत इंडोनेशिया से होगी, जिससे भारत के रक्षा संबंध काफी अच्छे हैं. प्रधानमंत्री मोदी यहां इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो से मुलाकात करेंगे. दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी है. पीएम मोदी के दौरे से पहले दिल्ली में चल रही 8वीं भारत-इंडोनेशिया संयुक्त आयोग बैठक में दोनों पक्ष समुद्री सुरक्षा, कनेक्टिविटी और रक्षा सहयोग पर चर्चा कर रहे हैं. इंडोनेशिया के विदेश मंत्री सुगियानो इस बैठक के लिए दिल्ली आए हुए हैं. पिछले साल दोनों देशों के बीच व्यापार 25 अरब डॉलर तक पहुंच गया है.

ब्रह्मोस का खरीददार है इंडोनेशिया

भारत-इंडोनेशिया सप्लाई चेन, स्वास्थ्य, पर्यटन और संयुक्त सैन्य अभ्यासों को बढ़ावा देने की योजना बना रहे हैं. रक्षा क्षेत्र में बड़ा कदम यह है कि ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज

मिसाइल डील की बातचीत अंतिम चरण में पहुंच गई है. यह सौदा जल्द पूरा होने की उम्मीद है. आपको बता दें कि इंडोनेशिया उन देशों में से है, जो सबसे पहले भारत-रूस की संयुक्त मिसाइल ब्रह्मोस को खरीदने में दिलचस्पी ले रहा था और जल्द ही भारत अपनी इस ताकतवर मिसाइल को इंडोनेशिया को सौंपेगा.

इसके बाद पीएम मोदी न्यूजीलैंड जाएंगे. कुछ महीने पहले ही दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते (FTA) की बातचीत पूरी हो चुकी है. इस FTA से सामान और सेवाओं का व्यापार आसान होगा, निवेश बढ़ेगा और पेशेवरों, छात्रों तथा छोटे-मध्यम उद्योगों (MSMEs) के लिए आवागमन सुगम बनेगा.ऑकलैंड में भारतीय समुदाय के लिए एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें 15,000 से 20,000 भारतीय मूल के लोग शामिल हो सकते हैं. न्यूजीलैंड में भारतीय डायस्पोरा काफी सक्रिय है और यह कार्यक्रम उनके साथ सीधा जुड़ाव बढ़ाएगा.

ऑस्ट्रेलिया के साथ ऊर्जा और रक्षा सहयोग

पीएम मोदी की यात्रा का अंतिम पड़ाव ऑस्ट्रेलिया होगा. यहां रक्षा और ऊर्जा सुरक्षा पर खास ध्यान रहेगा. ऑस्ट्रेलिया भारत के सिविल न्यूक्लियर कार्यक्रम के लिए यूरेनियम का एक संभावित आपूर्तिकर्ता है. इस दौरे में यूरेनियम आयात को लेकर बड़ा ऐलान हो सकता है. रक्षा सहयोग भी गहरा हो रहा है। ऑस्ट्रेलिया के हाई कमिश्नर फिलिप ग्रीन ने हाल ही में कहा कि दोनों देशों के बीच एक नया बड़ा रक्षा समझौता होने वाला है. उन्होंने इसे नए मील के पत्थर की संज्ञा दी. हाल ही में ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस भारत आए थे. उन्होंने क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक और रक्षा संवाद में भाग लिया.

भारत की इंडो-पैसिफिक रणनीति

यह तीन देशों की यात्रा भारत की इंडो-पैसिफिक विजन को मजबूती से सामने लाएगी. भारत इस क्षेत्र में आर्थिक अवसरों के साथ-साथ सुरक्षा चुनौतियों का भी संतुलित तरीके से सामना करना चाहता है. डायस्पोरा को जोड़ना इस यात्रा का एक अहम हिस्सा है, खासकर न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में. इन देशों में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग रहते हैं. उनके साथ मजबूत संबंध भारत की सॉफ्ट पावर को बढ़ाएंगे. पीएम मोदी की यह यात्रा व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा सहयोग और लोगों के बीच संबंधों को नई ऊंचाई देगी.

इंडोनेशिया के साथ समुद्री सुरक्षा, न्यूजीलैंड के साथ व्यापार और ऑस्ट्रेलिया के साथ यूरेनियम व रक्षा साझेदारी भारत की विदेश नीति के महत्वपूर्ण स्तंभ साबित होंगे. विशेषज्ञों का मानना है कि यह दौरा भारत को इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में और मजबूत स्थिति दिलाएगा. वहीं ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के चीन से कुछ खास रिश्ते नहीं हैं और उन्होंने हाल ही में जापान के साथ बड़ी रक्षा डील भी की है. वे चीन के पारंपरिक दुश्मन नहीं हैं, लेकिन हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य ताकत, व्यापारिक दबाव और अमेरिका-केंद्रित सुरक्षा गठबंधनों (AUKUS और QUAD) के कारण हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच गहरा तनाव पैदा हुआ है. ऐसे में आने वाले दिनों में इन तीनों देशों के साथ ठोस समझौतों की उम्मीद है, जो भारत की अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों को लाभ पहुंचाएंगे.

सूरत के सिंगानपोर इलाके में चाय की दुकान पर छोटी बहस कैसे बन गई जानलेवा टकराव? दो युवकों की हत्या

(जीएनएस)। सूरत के सिंगानपोर इलाके में रविवार (7 जून) को एक चाय की दुकान पर शुरू हुई, साधारण बहस हिंसक झड़प में बदल गई, जिसमें दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अन्य फरार हैं। डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस आलोक कुमार के अनुसार, यह घटना रात करीब 1:30 बजे हुई।

मृतकों की पहचान भातू माली और हर्षल पाटिल के रूप में हुई है। दोनों महाराष्ट्र के रहने वाले थे और सूरत में काम-धंधे के सिलसिले में रह रहे थे। यह घटना न केवल सूरत की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठा रही है, बल्कि शहर में रहने वाले प्रवासी मजदूरों, स्थानीय युवकों और छोटी-छोटी बातों से भड़कने वाली हिंसा के पैटर्न को भी उजागर करती है। आइए इस पूरी घटना को विस्तार से समझते हैं...

क्या हुआ रात 1:30 बजे?

पुलिस जांच के अनुसार, भातू माली, हर्षल पाटिल और उनके दो साथी कतारगाम और लिंबायत इलाकों से चाय की दुकान पर पहुंचे। उन्होंने गुटखा मांगा। दुकानदार ने बताया कि दुकान बंद हो चुकी है और सामान नहीं मिलेगा। उसी समय दुकान के अंदर कुछ स्थानीय युवक कैरम खेल रहे थे।

आरोप है कि बाहर आए समूह ने जबरन दुकान में घुसने की कोशिश की और अंदर मौजूद लोगों से तीखी बहस शुरू कर दी। शुरूआती झगड़े के बाद दोनों पक्ष अलग हो गए। लेकिन कुछ देर बाद माली, पाटिल और उनके साथी चाकू लेकर वापस लौट आए। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच हिंसक टकराव हो गया।

पुलिस के मुताबिक, झड़प में चाकू और अन्य धारदार हथियारों का इस्तेमाल हुआ। भातू माली और हर्षल पाटिल को गंभीर चोटें आईं। एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे की अस्पताल ले जाते समय या इलाज के दौरान मौत हुई। डीसीपी आलोक कुमार ने स्पष्ट किया कि यह एक सुनियोजित हमला नहीं लगता, बल्कि

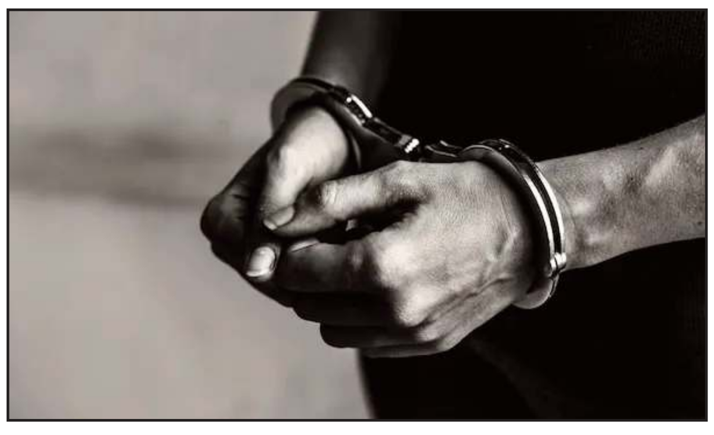

गुस्से में बढ़ी हुई घटना है जो जानलेवा साबित हुई।

पुलिस की कार्रवाई: तेज और प्रभावी

सूचना मिलते ही सिंगानपोर पुलिस स्टेशन, डी-स्टाफ, क्राइम ब्रांच और लोकल क्राइम ब्रांच की टीमों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। महज कुछ घंटों के अंदर पुलिस ने दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। बाकी दो फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ चल रही है। उनके मोबाइल फोन, सीसीटीवी फुटेज और गवाहों के बयानों के आधार पर पूरी घटना को रिक्रिएट किया जा रहा है। डीसीपी कुमार ने कहा कि अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा और कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कौन थे भातू माली और हर्षल पाटिल ?

मृतक भातू माली और हर्षल पाटिल महाराष्ट्र से सूरत आए हुए थे। सूरत टेक्सटाइल और डायमंड इंडस्ट्री के लिए देशभर से मजदूरों को आकर्षित करता है। दोनों युवक यहां काम कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि पीड़ितों में से एक का आपराधिक इतिहास रहा है। उस व्यक्ति पर पहले भी मारपीट और अन्य अपराधों के मामले दर्ज थे। शहर से बाहर निकालने (एक्सटर्नमेंट) का प्रस्ताव पहले से ही विचाराधीन था।

यह जानकारी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दशार्ती है कि घटना में शामिल एक पक्ष पहले से ही विवादास्पद रहा है। हालांकि पुलिस ने स्पष्ट किया है कि किसी भी व्यक्ति के आपराधिक इतिहास का मतलब यह नहीं कि उसे मारकर मार दिया जाए। कानून अपने हाथ में लेना किसी भी सूरत में जायज नहीं।

सिंगानपोर सूरत का घनी आबादी वाला इलाका है, जहां स्थानीय निवासी और बड़े पैमाने पर महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार तथा राजस्थान से आए प्रवासी मजदूर साथ रहते हैं। रात की पाली में काम करने वाले मजदूरों के लिए चाय की दुकानें और खाने-पीने के ठेले आम हैं।

रात के समय छोटी-छोटी बातों पर बहस होना आम है, लेकिन इन बहसों के हिंसक रूप ले लेने की घटनाएं चिंता बढ़ाती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि शराब, गुटखा, जुआ और ग्रुपिज्म जैसी चीजें अक्सर छोटे विवादों को बड़े टकराव में बदल देती हैं। सूरत पुलिस पिछले कुछ वर्षों में ऐसे कई मामलों में सख्ती बरत रही है, लेकिन पूरी तरह नियंत्रण अभी बाकी है।

किन धाराओं में मुकदमा दर्ज?

ऐसी घटनाओं में धारा 302 (हत्या), 307 (हत्या का प्रयास), 143, 147, 148, 149 (सामान्य इरादे से हथियारबंद भीड़), 324/326 (धारदार हथियार से चोट पहुंचाना) और आर्म्स एक्ट की धाराएं लगाई जाती हैं। चूंकि झड़प में चाकू का इस्तेमाल हुआ है, इसलिए हथियार संबंधी धाराएं भी जुड़ेंगी।

फरार आरोपियों पर इनाम घोषित किए जाने और उनके मोबाइल लोकेशन ट्रैकिंग की संभावना है। पुलिस अब इस बात पर भी जांच कर रही है कि क्या दोनों गुटों के बीच पुरानी रंजिश तो नहीं थी, जो इस घटना का आधार बनी।

शहर की कानून व्यवस्था पर असर

सूरत को गुजरात का औद्योगिक और आर्थिक केंद्र माना जाता है। यहां की शांति और सुरक्षा प्रवेशी निवेश के लिए बेहद जरूरी है। ऐसी घटनाएं न सिर्फ स्थानीय लोगों में भय पैदा करती हैं, बल्कि प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा को भी चुनौती देती हैं।